NIOS Class 12 Hindi Question Paper 2021 (Set B)

इस प्रश्न–पत्र में 30 प्रश्न [खण्ड 'क' (20) + खण्ड 'ख' (5) + खण्ड 'ग' (5)] तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं ।

Sl. No.

Roll No.
अनुक्रमांक | | | | | | | | | | | |

Code No.
कोड नं. **60/OSS/1**

Set /सेट **B**

HINDI

हिन्दी

(301)

Day and Date of Examination
(परीक्षा का दिन व दिनांक) _____

Signature of Invigilators 1. _____
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

2. _____

_____

सामान्य अनुदेश :

1. परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें ।

2. कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है । इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं ।

3. उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जाएगा ।

4. अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र की कोड संख्या **60 /OSS/1-Set-B** लिखें ।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

HINDI

हिन्दी

(301)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश: (i) इस प्रश्न–पत्र में तीन खण्ड हैं – खण्ड 'क', खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग'।

(ii) खण्ड 'क' के सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

(iii) खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग' में से केवल एक खण्ड के प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(iv) खण्ड 'क' 85 अंकों का और खण्ड 'ख' अथवा खण्ड 'ग' 15 अंकों का है।

खण्ड – 'क'

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 35-35 शब्दों में दीजिए : [2 + 2 = 4]

क) ''मैं नीर भरी दु:ख की बदली'' कविता में ''परिचय इतना इतिहास यही'' से महादेवी वर्मा जी का क्या तात्पर्य है?

ख) कठपुतली बना मनुष्य दूसरों को भी कठपुतली बनाना क्यों चाहता है?

ग) ''भरत का भ्रातृप्रेम'' कविता के आधार पर बताइए कि भरत जब बोलने के लिए खड़े हो जाते हैं, तो उनकी आँखें क्यों डबडबा जाती हैं?

2. क) निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [4]

जीवन में आज के

लेखक की कठिनाई यह नहीं कि

कमी है विषयों की

वरन् यह कि आधिक्य उनका ही

उसको सताता है

और, वह ठीक चुनाव कर नहीं पाता हैं।

अथवा

collegedunia
India's largest Student Review Platform

प्रभुजी तुम चंदन हम पानी, जाकी अंग–अंग बास समानी।

प्रभुजी तुम घन बन हम मोरा, जैसे चितवत चंद चकोरा।

प्रभुजी तुम दीपक हम बाती, जाकी जोति बरै दिन–राती।

प्रभुजी तुम मोती हम धागा, जैसे सोनहिं मिलत सोहागा।

प्रभुजी तुम स्वामी हम दासा, ऐसी भक्ति करै रैदासा।।

ख) निम्नलिखित काव्य–पंक्तियों का काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : [2]

कहलाने एकत बसत, अहि, मयुर, मृग, बाघ।

जगत तपोवन सौ कियौ, दीरघ–दाघ, निदाघ।।

3. निम्नलिखित काव्य–पंक्तियों में निहित छंद और रस का नाम लिखिए : [1 + 1 = 2]

यह रहीम निज संग लै, जनमत जगत न कोय।

बैर, प्रीती, अभ्यास, जस, होत होत ही होय।।

4. ''परशुराम के उपदेश'' अथवा ''वह तोड़ती पत्थर'' कविता का केन्द्रीय भाव लगभग 35-35 शब्दों में लिखिए।[2]

5. सुफ़ी काव्य अथवा संत काव्य की दो विशेषताएँ लिखिए। [2]

6. पठित पाठ के आधार पर रामचन्द्र शुक्ल अथवा कन्हैया लाल मिश्र ''प्रभाकर'' की भाषा–शैली की दो विशेषताएँ लिखिए। [2]

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-50 शब्दों में दीजिए : [3 + 3 = 6]

क) सागर तट से अपने होटल लौटते समय लेखक को किन–किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा? ''आखिरी चट्टान'' पाठ के आधार पर अपने उत्तर दीजिए।

ख) दो कलाकार पाठ के आधार पर बताइए कि क्या अरुणा को भी ''कलाकार'' कहा जाना चाहिए? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

ग) पुरानी पीढ़ी के लोग नई पीढ़ी को आगे क्यों नहीं आने देते? ''पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ'' पाठ के आधार पर अपने उत्तर दीजिए।

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

8. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [4]

साधारणत: परीक्षा में भी ऐसे बालकों को लेखक देने का प्रावधान है पर डॉ. रघुवंश ने अपनी सूझ–बूझ से ऐसी पद्धति विकसित कर ली थी जो प्राय: देखने को नहीं मिलती है। इस पद्धति से उन्होंने सारी परीक्षाएँ उत्तीर्ण कीं।

अथवा

आज अनुराधा समस्त प्रश्नों से मुक्त है। यह युद्धभूमि है और ''अनु'' संघर्ष के लिए सन्नद्ध है। मेरे इस स्वाभाविक युद्ध में अब मेरे आड़े कुछ नहीं आएगा – न संस्कार, न मोह, न संबंध, न ...। यदि शालीन रहकर अनुराधा संघर्ष कर सकी तो अत्युत्तम, अन्यथा वह भी त्याग देगी। यह युद्ध तो अब हर हाल में अनवरत चलेगा।

9. क) नायक सिंह ने देवी सिंह को क्या वचन दिया? [1]

ख) देवी सिंह ने गोमती को अपनाने के प्रस्ताव पर क्या उत्तर दिया? [1]

10. क) ''अलीमर्दान'' के चरित्र की तीन विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। [3]

ख) आप कैसे कह सकते हैं कि ''धर्म के प्रति दृढ़ आस्था और देवी–देवता में विश्वास'' बुंदेलखंड की संस्कृति के प्रमुख अंग हैं? [3]

अथवा

''विराटा की पद्मिनी'' उपन्यास का क्या उद्देश्य है?

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यदि यह वर्ष चैप्लिन की जन्मशती का न होता तो भी चैप्लिन के जीवन का एक महत्त्वपूर्ण वर्ष होता क्योंकि आज उनकी पहली फ़िल्म ''मेकिंग ए लिविंग'' के 75 वर्ष पूरे होते हैं। पौन शताब्दी से चैप्लिन की कला दुनिया के सामने है और पाँच पीढ़ियों को मुग्ध कर चुकी है। समय, भूगोल और संस्कृतियों की सीमाओं से खिलवाड़ करता हुआ चार्ली आज भारत के लाखों बच्चों को हँसा रहा है, जो उसे अपने बुढ़ापे तक याद रखेंगे। पश्चिम में तो बार–बार चार्ली का पुनर्जीवन होता ही है, विकासशील दुनिया में जैसे–जैसे टेलीवीजन और वीडियो का प्रसार हो रहा है, एक बहुत बड़ा दर्शक वर्ग नए सिरे से चार्ली को घड़ी ''सुधारते'' या जूते ''खाने'' की कोशिश करते हुए देख रहा है। चैप्लिन की ऐसी कुछ फ़िल्में या इस्तेमाल न की गईं रीलें भी मिली हैं जिनके बारे में कोई जानता न था। अभी चैप्लिन पर करीब 50 वर्षों तक काफ़ी कुछ कहा जाएगा। चैप्लिन की फ़िल्में भावनाओं पर टिकी हुई हैं, बुद्धि पर नहीं। चैप्लिन का चमत्कार यही है कि उनकी फ़िल्मों को पागलखाने के मरीजों, विकल मस्तिष्क लोगों से लेकर आइन्सटाइन जैसे महान प्रतिभा वाले व्यक्ति तक कहीं एक स्तर पर और कहीं सूक्ष्मतम रसास्वादन के साथ देख सकते हैं।

क) चार्ली के जन्मशती का वर्ष महत्त्वपूर्ण क्यों है? [2]

ख) भारत में चार्ली की क्या स्थिति है? [2]

ग) विकासशील देशों में चार्ली की लोकप्रियता के क्या कारण हैं? [2]

घ) लेखक ने यह क्यों कहा कि चैप्लिन पर करीब 50 वर्षों तक काफ़ी कुछ कहा जाएगा? [2]

ङ) चार्ली की फ़िल्मों के दर्शक कैसे हैं? [2]

च) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए? [1]

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

12. निम्नलिखित कविता को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

कोलाहल हो, या सन्नाटा, कविता सदा सृजन करती हैं,
जब भी आँसू हुआ पराजित, कविता सदा जंग लड़ती है।
जब भी कर्ता हुआ अकर्ता,
कविता ने जीना सिखलाया।
यात्राएँ जब मंद हो गई; कविता ने चलना सिखाया।
जब भी तम का
जुल्म बढ़ा है, कविता नया सूर्य गढ़ती है।
जब गीतों की फ़सलें लुटते
शील हरण होता कलियों का,
शब्दहीन जब हुई चेतना
तब तब चैन लूटा गलियों का
जब कुर्सी का
कंस गरजता, कविता स्वयं कृष्ण बनती है।
अपने भी हो गए पराए
क्यों झूठे अनुबंध हो गए
घर में ही बनवास हो रहा
यूँ गूँगे संबंध हो गए।

क) कविता की प्रवृत्ति किस तरह की बताई गई है? [1]

ख) कविता मनुष्य को कब जीना सिखाती है? [1]

ग) कविता लगातार संघर्ष करने की प्रेरणा देती है – ऐसा किस पंक्ति में कहा गया है? [1]

घ) कविता ने लोगों को कब प्रेरित किया और कैसे? [1]

ड़) संबंधों में दूरियाँ आ जाने का परिणाम आज किस रूप में भुगतना पड़ रहा है? [1]

13. निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> का भाव–पल्लवन कीजिए : [3]

क) मन के हारे हार है

ख) समय बड़ा बलवान

14. आपके सोने के कमरे में घुस आए साँप को देखकर आप की क्या हालत हुई? अपने अनुभव संक्षेप में लिखिए। [2]

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

15. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : **[5 × 1 = 5]**

क) संयुक्त वाक्य में बदलिए –

वह खाना बनाते हुए बात कर रही थी।

ख) वाक्य शुद्ध कीजिए –

एक फूलों की माला चहिए।

ग) उपयुक्त विराम–चिह्न लगाइए –

नहीं कुछ चाहते हो तो भी देखने में क्या हर्ज है

घ) रचनानुसार वाक्य भेद बताइए –

मैने सुना है कि इस गाँव में सभी साक्षर हैं।

ङ) 'राई का पहाड़ बनाना' <u>अथवा</u> 'हाथ को हाथ सुझाई न देना' मुहावरे का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए।

16. निम्नलिखित अवतरण का सार लगभग <u>एक तिहाई</u> शब्दों में लिखिए और एक शीर्षक भी दीजिए :**[3 + 1 = 4]**

सब लोग आपस में बराबर हैं, इस बात का लोगों ने गलत अर्थ लिया है। इसका मामूली अर्थ यह है कि सबको विकास का समान अवसर मिलना चाहिए, यही नहीं अवसर की प्रतीक्षा किए बिना जो जहाँ चाहे, वहाँ इच्छा मात्र से पहूँच जाए। अवसर कोई ऐसी चीज़ नहीं है, जो रोटी–दाल की तरह सबके सामने परोसा जा सके। उसे पाने के लिए अपने गुणों का विकास करना होता है, तत्परता, मुस्तैदी और धीरता भी सीखनी होती है और उम्र तथा अनुभवों का भी इंतजार करना पड़ता है। मगर नेतागिरी का चस्का लग जाने के कारण लोगों की इंतजार की लियाकत घट गई है और जिस जगह आदमी धीरे–धीरे और बड़ी कोशिशों के बाद पहूँचता है, उस जगह पर अब लोग छलांग मारकर पहूँच जाना चाहते हैं। आज हर व्यक्ति कुर्सी के लिए आपाधापी कर रहा है। परमार्थ की जगह स्वार्थ ने ले ली है। पहले अपने मतलब को पूरा करो फिर दूसरों को मौका दो।

17. प्रतिवेदन की उपयोगिता पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। **[3]**

अथवा

फाइल पर टिप्पण लेखन की क्या पद्धति है?

collegedunia
India's largest Student Review Platform

18. नीचे दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए और पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए – **[4]**

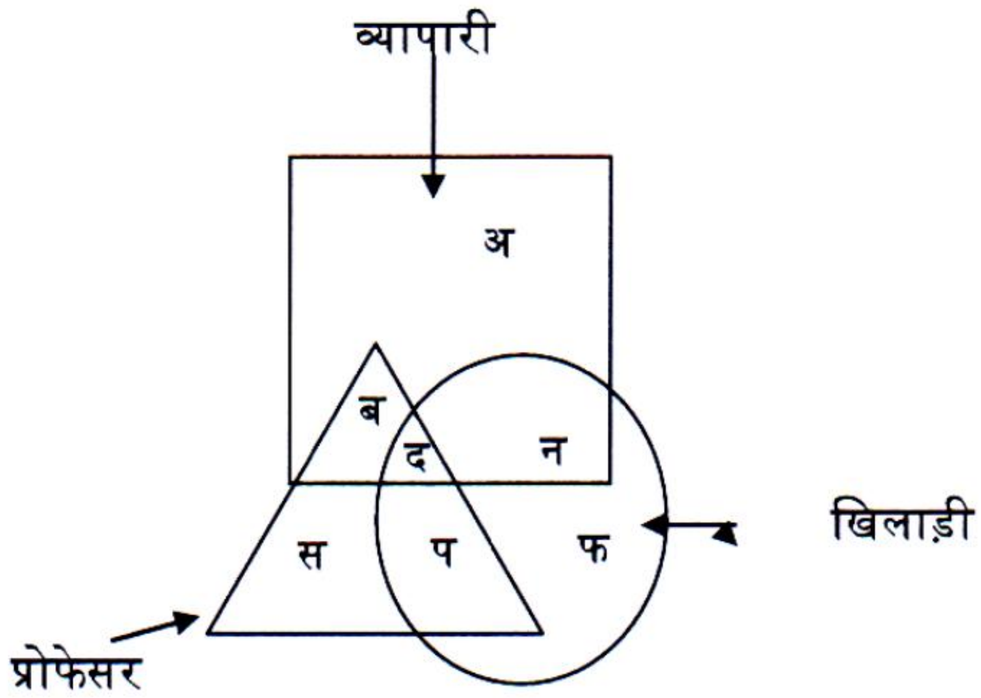

क) व्यापारी जो खिलाड़ी है किंतु प्रोफ़ेसर नहीं।

ख) प्रोफ़ेसर जो खिलाड़ी है लेकिन व्यापारी नहीं।

ग) प्रोफ़ेसर जो खिलाड़ी भी है तथा व्यापारी भी।

घ) प्रोफ़ेसर जो व्यापारी है लेकिन खिलाड़ी नहीं।

19. निम्नलिखित में से <u>किसी एक विषय</u> पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए : **[8]**

क) वन रहेंगे, हम रहेंगे

ख) विज्ञान वरदान या अभिशाप

ग) राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी

घ) सब पढ़ेंगे, सब बढ़ेंगे

20. दिन–प्रतिदिन बढ़ती महँगाई के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। **[4]**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

खण्ड – 'ख'

(सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी)

21. क) उपग्रह क्या है? इसकी क्या उपयोगिता है? **[2]**

ख) फैक्स क्या है? इसकी कार्यप्रणाली को समझाइए। **[2]**

22. निम्नलिखित शब्दों में से <u>किन्हीं दो</u> के अर्थ स्पष्ट कीजिए : **[1]**

फ़ीचर, पीत–पत्रकारिता, स्ट्रिंजर

23. समाचारों का चुनाव करते समय किन बातों को ध्यान में रखा जाता है? **[3]**

24. क) रेडियो की भाषा की <u>दो</u> विशेषताएँ बताइए। **[2]**

ख) संचार माध्यम के प्रकार बताइए। **[2]**

25. मीडिया से क्या तात्पर्य है? यह किस प्रकार लोगों को जागरूक बनाने में उपयोगी है? **[3]**

<u>खण्ड – 'ग'</u>

(विज्ञान की भाषा – हिन्दी)

21. कम्प्यूटर पर हिन्दी में काम करना सरल है। कुछ हिन्दी साफ़्टवेयरों का उल्लेख कर इस कथन की पुष्टि कीजिए। **[3]**

22. निम्नलिखित शब्दों में से <u>किन्हीं दो</u> के अर्थ स्पष्ट कीजिए। **[1]**

ऊर्जा धमनी अमोनिया।

23. विज्ञान की भाषा अन्य विषय क्षेत्रों की भाषा से किस प्रकार भिन्न है? **[3]**

24. क) विज्ञान और अंधविश्वास में क्या अंतर है? अंधविश्वासी कैसे अपना अहित कर बैठते हैं? **[2]**

ख) महर्षि चरक कौन थे। उनकी प्रसिद्धि के क्या कारण हैं? **[2]**

25. भारत में जनसंख्या–वृद्धि के <u>चार</u> दुष्परिणामों पर प्रकाश डालिए। **[4]**

अथवा

जनसंख्या नियंत्रण के <u>चार</u> उपायों को समझाइए।

● ● ●

collegedunia
India's largest Student Review Platform